



NaMo 25 · #25YearsofSeva

THE ADDRESS · 7 अक्टूबर 2026

25 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री जी का संबोधन — 'हम करके रहेंगे'

7 अक्टूबर 2026, इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली — विकसित भारत संकल्प सभा में, शासन-प्रमुख के रूप में निरंतर 25 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का संबोधन।

7 अक्टूबर 2001 → 7 अक्टूबर 2026 · 25 साल, ज़ीरो ब्रेक · 25YearsofSeva.com · संस्करण 88 · 7 अक्टूबर 2026
हर आँकड़ा तिथि सहित — पूरा रिकॉर्ड वेबसाइट पर।



पूरा संबोधन देखिए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली · 7 अक्टूबर 2026 · YouTube (narendramodi)

वीडियो YouTube के 'nocookie' एम्बेड से केवल आपके चलाने पर लोड होता है। youtube.com/watch?v=TLMxa1PnN08



संबोधन का सार — प्रधानमंत्री जी के शब्दों में

7 अक्टूबर

2026 · विकसित भारत संकल्प सभा, इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली · शासन-प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे होने पर

“इन 25 वर्षों का आकलन करना है तो ये इससे नहीं होगा कि मैं कहां पहुंचा बल्कि असली मूल्यांकन इससे होगा कि मेरा देश कहां पहुंचा है।”

— प्रधानमंत्री, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026

● 25 वर्ष — आधार और नमन

7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ से आज तक शासन-प्रमुख के रूप में निरंतर 25 वर्ष — जनता-जनार्दन के आशीर्वाद का परिणाम; भारत के लोकतंत्र और संविधान को वंदन; सेवा ज्योति यात्रा के यात्रियों का अभिनंदन।

● ‘यह पूंजी देश की है’

25 वर्ष का जनविश्वास और अनुभव — उन्हीं के शब्दों में — ‘सिर्फ मोदी की नहीं, देश की पूंजी’; मां भारती की हर संतान इसकी अधिकारी; देश के हर नागरिक का उन पर सबसे बड़ा हक।

● ‘हम करके रहेंगे — We will do it’

यह दिन यादों का नहीं, संकल्पों को नई ऊर्जा देने का दिन; सभा के साथ दोहराए गए लक्ष्य — विकसित भारत 2047, टॉप-3 अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत, ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब, ओलंपिक्स का आयोजन, अंतरिक्ष में कदम।

● असली मूल्यांकन

25 वर्षों का आकलन इससे नहीं कि ‘मैं कहां पहुंचा’, बल्कि इससे कि ‘मेरा देश कहां पहुंचा’; भारत जैसी पुण्यभूमि की सेवा का अवसर ही अमूल्य।

● 2014 से बदली तस्वीर

‘गॉन केस’ कही जाने वाली अर्थव्यवस्था से आज रेज़िलिएंस की चर्चा; पॉलिटी पैरालिसिस से रिफ़ॉर्म एक्सप्रेस; आयात के रास्तों से निर्यात के रिकॉर्ड; मोबाइल आयात से मेड इन इंडिया मोबाइल; ब्लैकआउट की हेडलाइन से सोलर क्षमता की चर्चा; बीता दशक खेती की सबसे तेज़ विकास दर वाला।

● बड़े लक्ष्य, असाधारण लक्ष्य

छोटे या आसान लक्ष्य मां भारती और राष्ट्र के सामर्थ्य के साथ अन्याय; विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत, टॉप-3 अर्थव्यवस्था, गरीबी का नामोनिशान मिटाना, ड्रम्स-फ्री इंडिया; टूरिज्म, पढ़ाई, मनोरंजन, हेल्थ-वेलनेस, खेल, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी में भारत का डंका; आज भारत के पायलट की चर्चा, एक दिन मेड इन इंडिया प्लेन की।

● सिद्धियाँ, जो भरोसा देती हैं

फ़ैज़ादल फाइव से टॉप फाइव; 1 ट्रिलियन डॉलर में 60 वर्ष लगे, सही नीतियों से 12 वर्षों में 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की वृद्धि; कोरोना में खुद को बचाया और 100 से अधिक देशों की मदद; COP21 के संकल्प समय से पहले पूरे — ऐसा करने वाला G20 का इकलौता देश; आर्टिकल 370 की दीवार टूटी, नक्सलवाद की कमर टूटी, आतंक का जवाब; एक दशक में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर।

● श्री विनायक मंदिर में प्रार्थना

सुबह देश और 140 करोड़ देशवासियों के लिए प्रार्थना, और अपने लिए भी — इतनी शक्ति मिले कि देश के लिए और अधिक ऊर्जा से काम कर सकूँ; और यह कि सीखने की शक्ति कभी कम न हो।

● हर घटना ने कुछ सिखाया

मोरबी की बाढ़ ने सेवा का भाव, भुज के भूकंप ने पुनर्निर्माण के लिए डटे रहना, चंद्रयान ने असफलता से उठना और कोरोना ने राष्ट्र की सामूहिक चेतना का महत्व सिखाया; हर गाँव, हर गरीब ने सिखाया — साधन सीमित हों, सपने बड़े हों।

● महिमामंडन नहीं, मिशन

25 वर्ष व्यक्तिगत महिमामंडन का विषय नहीं; 50 वर्ष की आयु तक संगठन का काम, एक भी चुनाव नहीं लड़ा — ‘एंबिशन के लिए नहीं, मिशन के लिए’; गीता का कर्मयोग — कर्म ही धर्म, कर्म देश के प्रति साधना, फल और श्रेय की चिंता नहीं।

● गुजरात के वर्ष

2001 में न सरकार चलाने का अनुभव, न प्रशासन का ज्ञान — केवल जनता पर विश्वास; निर्णय, नीतियाँ और उनका अमल जनता को साथ लेकर; ‘गुजरात ने करके दिखाया’ और जमीन पर समस्या, फाइल और लास्ट-माइल डिलीवरी की सीख आज भी काम आती है।

● सबका साथ, सबका विकास = संचुरेशन

समस्या सबकी है तो समाधान भी सबके लिए — खेत में पानी या बिजली की कमी किसी एक जाति या समुदाय की नहीं होती; हर पात्र लाभार्थी जुड़े, कोई छूटे नहीं, किसी के हक पर डाका न पड़े — यही बदलाव की असली गाथा।

● 100 साल पहले का भारत

1920-30 के दशक में आज़ादी की कल्पना भी कठिन थी, फिर भी लगभग 20 साल में देश आज़ाद हुआ; तब 40 करोड़ से कम थे, आज 140 करोड़ से ज़्यादा — इसलिए 2047 का विकसित भारत ‘जरूर पूरा होगा’; युवा भारत इतिहास का सबसे बड़ा मौका, जिसे गँवाना नहीं है।

● समापन का विश्वास

‘भारत के सामर्थ्य को कभी कम नहीं आँकना’; 140 करोड़ भारतीयों के सामर्थ्य पर पूरा भरोसा — ‘हम अपनी आँखों के सामने भारत को विकसित होते देखेंगे’; कोई कारण नहीं कि भारत अब रुके।

01 / 16

7 अक्टूबर 2001 को जब मैंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी तब सोचा नहीं था कि कभी ये पड़ाव भी आएगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026

02 / 16

ये 25 वर्ष का जनविश्वास, ये 25 वर्षों का अनुभव बहुत बड़ी पूंजी है। और ये पूंजी सिर्फ मोदी की नहीं है, ये पूंजी देश की है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026

03 / 16

देश ने मुझे बहुत कुछ दिया है इसलिए देश के लिए मेरा दायित्व भी सबसे अधिक है। और मैं हृदय से ये मानता हूँ कि देश के हर नागरिक का मुझ पर सबसे बड़ा हक है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026



04 / 16

मैं आज भी स्वयं को एक विद्यार्थी ही मानता हूँ। हर दिन कुछ नया सीखने का प्रयास करता हूँ।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026

05 / 16

जिसने मुझे जिताया उसने मुझे विनम्र होना सिखाया। जिसने मुझे गिराया उसने मुझे फिर खड़ा होना सिखाया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026

06 / 16

हर गांव, हर गरीब ने मुझे सिखाया कि साधन संसाधन भले ही सीमित हो लेकिन सपने बड़े होने चाहिए और हौसले बुलंद होने चाहिए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026

07 / 16

आज का ये दिन सिर्फ यादों के लिए नहीं है, ये अपने संकल्पों को नई ऊर्जा से भरने का दिन है। ये दिन उस वादे को दोहराने का दिन है, उस इरादे को व्यक्त करने का दिन है जो कहता है हम करके रहेंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026

08 / 16

मैं एंबिशन के लिए नहीं मिशन के लिए जीवन जीने वाला इंसान रहा हूँ।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026

09 / 16

मेरे लिए कर्म ही सब कुछ है, कर्म ही मेरा धर्म है। ... मेरे लिए कर्म सिर्फ जिम्मेदारी नहीं है, यह देश के प्रति मेरी साधना है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026

10 / 16

पद प्रतिष्ठा तो दुनिया में कहीं भी मिल सकती है लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिलेगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026

11 / 16

इन 25 वर्षों का आकलन करना है तो ये इससे नहीं होगा कि मैं कहां पहुंचा बल्कि असली मूल्यांकन इससे होगा कि मेरा देश कहां पहुंचा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026

12 / 16

मेरे पास तब कुछ था तो वो था जनता पर विश्वास। ... मैंने निर्णय लिए जनता को साथ लेकर, नीतियां बनाई जनता को साथ लेकर, नीतियों को लागू किया जनता को साथ लेकर।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026

13 / 16

समस्या सबकी है तो समाधान भी सबके लिए होना चाहिए। ... सैचुरेशन यानी हर लाभार्थी जुड़े, कोई पात्र छूटे नहीं, कोई हकदार पीछे रहे नहीं और किसी के हक पर कोई डाका न डाल सके।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026

14 / 16

ये मां भारती के साथ अन्याय होगा अगर हम छोटे लक्ष्यों को लेकर चलेंगे। ये राष्ट्र के सामर्थ्य के साथ अन्याय होगा अगर हम आसान लक्ष्यों को लेकर चलेंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026

15 / 16

हमारे देश में समस्याएं हैं लेकिन हमारे पास 140 करोड़ समाधान भी हैं। अब ये समय आराम का नहीं है, ये समय जोश के साथ आगे बढ़ने का है, खुद को देश के लिए खपा देने का है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026

16 / 16

मुझे 140 करोड़ भारतीयों के सामर्थ्य पर पूरा भरोसा है और 25 साल का मेरा अनुभव कहता है हम अपनी आंखों के सामने भारत को विकसित होते देखेंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी — विकसित भारत संकल्प सभा, नई दिल्ली, 7 अक्टूबर 2026